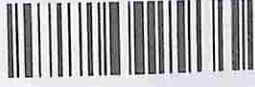




माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा



प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	18	19	
2	06	20	
3	08	21	
4	02	22	
5	02	23	
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	03	28	
11	03	29	
12	05	30	
13	05	31	
14	05	योग	80
15	04	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	04	अंकों में	शब्दों में
17	04	80	असली
18	03		

परीक्षक के हस्ताक्षर

संकेतांक

622211

(पर)

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☒

विषय Sanskrit

परीक्षा का दिन Friday

दिनांक 27-02-26

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 181/2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:-
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, कैल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

1.

बहुविकल्पात्मक प्रश्नाः

(i)

(स) लतातरुगुल्माः ✓

(ii)

(ब) व्याघ्रम् ✓

(iii)

(अ) कुशलवी ✓

(iv)

(ब) महाभारतात् ✓

(v)

(द) वसन्तस्य ✓

(vi)

(स) काकः ✓

(vii)

(ब) आचारः ✓

(viii)

(अ) ग्रीष्मकाले ✓

(ix)

(स) लोकैडस्मिन् ✓

(x)

(अ) सम + जाता ✓

(xi)

(द) खल्वेतत् ✓

(xii)

(ब) बहुव्रीहिः ✓



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(xiii) (अ) द्वितीया ✓

(xiv) (द) पञ्चमी ✓

(xv) (स) चतुर्थी ✓

(xvi) (स) नव्या ✓

(xvii) (ब) सपाद अष्ट

(xviii) (अ) वसति ✓

2. निर्देशानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयत -

(i) करणीयं ।

(ii) बुद्धिमान् बुद्धिमान् ।

(iii) विमुक्ता ।

(iv) ख ।

(v) आपि ।

(vi) इतस्ततः

18

6

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

उ. गद्यांश

(क) शकपदेन उत्तरत -

(i) विद्याम् ।

(ii) सोमः ।

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत -

⇒ चोराः सोमस्य धनम् अहरन् ।

(ग) "विद्यायाः महत्त्वं" ।

(घ) भ्राषिक कार्यम् -

(i) चोराः ।

(ii) अ वर्षाणि ।

(iii) रामः ।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ब

4. समयलेखन -

(i) सार्ध नववादने ।

(ii) पादोन षट्वादने ।

5. वाक्य संशोधयत -

⇒ अहम् श्वः विद्यालयं गमिष्यामि ।

6. वाक्य परिवर्तन -

⇒ मौहनेन ग्रामः गम्यते ।

7. समास विग्रहं कृत्वा नामापि लिखत -

⇒ पीताम्बरम् → पीतं च तत् अम्बरम् ।

समासस्य नाम - कर्मधारय समास ।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

8. सप्रसङ्ग भावार्थ -

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक "शेमुषी द्वितीयो भागः" के 'अन्योक्तयः' नामक पाठ से लिया गया है। प्रस्तुत पद्यांश में राजहंस के माध्यम से गुणवान् व्यक्ति की प्रशंसा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि :-

भावार्थ :- एक राजहंस के द्वारा ही तालाब की शोभा होती है, न कि किनारे पर रहने वाले हजारों बगुलों से होती है। आशय यह है कि एक गुणवान् व्यक्ति ही कुल को सुशोभित करता है, हजारों मूर्ख नहीं करते हैं।

9. अन्वय :-

अमन्त्रम् (i) अक्षरम् नास्ति, (ii) अनौषधम् मूलं नास्ति, अथोरयः पुरुषः (iii) नास्ति, तत्र योजकः (iv) दुर्लभः।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

10 प्रश्नानिर्माण -

(क) सर्वदा सर्वकार्येषु का बलवती भवती ?

(ख) वयोऽनुरोधात् कः लालनीयः भवति ?

(ग) केषाम् प्रथम शत्रुः क्रोधः अस्ति ?

BSER-181/2016

11.

भूकम्पविभीषिका

भूकम्पविभीषिका

प्रस्तुत पाठ "भूकम्पविभीषिका" में भूकम्प की भयानकता का वर्णन करते हुए उसे उसके कारण एवं निवारण के लिए किये गए प्रयत्नों का उल्लेख किया गया है।

पाठानुसार 26 जनवरी 2001 को गुजरात राज्य में आये भूकम्प ने जन-जीवन अस्त-व्यस्त, क्रन्दन से व्याकुल तथा विपत्तिग्रस्त हो गये थे। भूकम्प का केन्द्रभूत कच्छ जिले का भुजनगर तो खण्डखण्ड हो गया था। बहुमंजिला इमारतें तो धराशाही हो गयीं। बिजली के खम्भे टूट गये। भूमि फट गयी। भूगर्भ से निकली जल-धाराओं से बाढ़ का



दृश्य उपस्थित हो रहा था। हजारों लोग मर गये तथा बहुत से लोग सहायता के लिए कसबा क्रन्दन कर रहे थे।

सन् 2005 में कश्मीर प्रान्त तथा पाकिस्तान देश में भूकम्प आया था। लाखों लोगों की असमय ही मृत्यु हो गयी थी। भूकम्प के विषय में वैज्ञानिक कहते हैं कि पृथ्वी के अन्दर बड़ी-बड़ी शिलाओं का घर्षण होता है और उस घर्षण से स्खलन होता है तथा स्खलन से कम्पन्न उत्पन्न होता है। फिर वह कम्पन्न भूकम्प के रूप में भूमि पर भयानकता लाता है। भूकम्प ज्वालामुखी के फटने से भी उत्पन्न होता है। भूकम्प एक ईश्वरीय प्रकोप है। इसे रोकने का कोई स्थिर उपाय नहीं है। इसे रोकने के लिए बहुमांजिला इमारतें नहीं बनानी चाहिए और नदी के पानी को एक जगह रोक के रखना नहीं चाहिए। तथा जो प्रकृति के पाँच तत्व आग, पानी, आकाश, पृथ्वी तथा वायु को संतुलित करने का प्रयास करना चाहिए, अथवा इनके असंतुलित होने पर पृथ्वी पर महा विपदा आ सकती है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
12.	गद्यांश -	
(क)	एकपदेन उत्तरत -	
उ.	बॉकिमचन्द्रः ।	
(ख)	पूर्णवाक्येन उत्तरत -	
उ.	न्यायधीशः तं आभीयुक्त निदोषम् अमन्यत। आराक्षिणं च दोषभाजनम् ।	
(ग)	भाषिक कार्यम् -	
(i)	वृत्तम् ।	
(ii)	अशक्नोत् ।	
13	पद्यांश ।	
(क)	एकपदेन उत्तरत -	
उ.	यानानां ।	
(ख)	पूर्णवाक्येन उत्तरत -	
उ.	शतशकटीयानं कज्जलमालिनं धूमम् मुञ्चाते ।	



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
(ग)	भाषिक कार्यम् -	
(i)	संधावति ।	5
(ii)	कज्जलमालिनी ।	
14.	नाट्यांश -	
(क)	रुक्मयेन उत्तरत -	
(i)	रामस्य ।	
(ख)	पूर्णवाक्येन उत्तरत -	
उ.	सीता कुशलवयोः अविनयं दृष्ट्वा आधीक्षीपाति - निरनुक्रोशस्य पुत्रौ , मा चापलम् इति ।	
(ग)	भाषिक कार्यम्	5
(i)	भ्रष्टाति ।	
(ii)	निरनुक्रोशः ।	

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

15.

गगनपुरतः

दिनाङ्क -

फरवरी

23

2025

प्रिय मित्रं धनैश !

(i) सादरम् नमस्ते ।

अत्र कुशलं (ii) तत्राडस्तु । संस्कृतसम्भाषण कौशल-
लवर्धनाय प्रातिवर्षीमिव अस्मिन् वर्षेऽपि मम

विद्यालये संस्कृतसम्भाषणकाशीवीरस्यञ्च

(iii) आयोजनम् भविष्यति । एतत् शिबिरं(iv) पूर्णतया निशुल्कः भविष्यति । दशादिवसीयस्यएतस्य शिवरस्य आयोजनं (v) ग्रीष्मावकाशे

जूनमासस्य प्रथमे सप्ताहे भविष्यति । सम्भाषण

कौशलवर्धनाय एषः (vi) उत्तमः अवसरः

अस्ति । भवान् अपि मया सह अस्मिन्

(vii) शिबिरे भागं गृह्णातु ।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

15.

खण्ड - ४

गगनपुरतः

करवरी

23

2025

प्रियामित्र ! धनैश !

(i) सादरम् नमस्ते ।

अत्र कुशलं तत्राऽ (ii) तत्रास्तु

⇒

अस्तु , नमो नमः ।

भवतः सुहृद

(viii)

द्यौमकेशः

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

16.

संवाद

लता - भवती (i) कुतः आगच्छति ?वीणा - अहं चिकित्सालयात् (ii) आगच्छामि ।लता - इदानीं भवत्याः (iii) स्वास्थ्यम् कथम्
अस्ति ?वीणा - मम स्वास्थ्यं (iv) समीचीनम् नास्ति ।लता - का वेदना (v) अस्ति ?वीणा - मम (vi) शिरोवेदना भवति ।लता - (vii) औषधम् स्वीकृतं वा ?वीणा - आम्, अहम् औषधं (viii) स्वीकृतवती ।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
17.		संस्कृतभाषाया अनुवाद -
(i)		अहम् पुस्तकम् पठामि ।
(ii)		ग्रामम् परितः वृक्षाः सन्ति ।
(iii)		रामः श्वः विद्यालयं गमिष्यति ।
(iv)		बालकः वने अगच्छत् ।
18.		घटना क्रम संयोजन
(i)		एकः बुभुक्षितः जम्बुकः आसीत् ।
(ii)		वने सः एकत्र द्राक्षालतां पश्याति ।
(iii)		लतायाम् अनैकानि मधुराणि द्राक्षाफलानि सन्ति ।
(iv)		सः द्राक्षां लब्धुम् उपरि उज्यतति ।
(v)		किन्तु द्राक्षाफलानि न प्राप्नोति ।
(vi)		कुपितः सः “ द्राक्षाफलानि अम्लानि ” इति वदति ।
		“ समाप्त ”

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2026



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/1/2026

